आलस्य और अलबेलापन - 25

अव्यक्त बापदादा :- (24.12.1979)

➳ _ ➳ अब तो प्रकृति भी छोटे-छोटे पेपर ले रही है, लेकिन फाइनल पेपर में पांचों तत्वों का विकराल रूप होगा। एक तरफ प्रकृति का विकाराल रूप, दूसरी तरफ पाँचों ही विकारों का अन्त होने के कारण अति विकराल रूप होगा। अपना लास्ट वार आज़माने वाले होंगे। तीसरी तरफ सर्व आत्माओं के भिन्न-भिन्न रूप होंगे। एक तरफ तमोगुणी आत्माओं का वार, दूसरी तरफ भक्त आत्माओं की भिन्न-भिन्न पुकार चौथी तरफ क्या होगा? पुराने संस्कार।

➳ _ ➳ लास्ट समय वह भी अपना चान्स लेंगे। एक बार आकर फिर सदा के लिए विदाई लेंगे। संस्कार का स्वरूप क्या होगा? किसी के पास कर्मभोग के रूप में आयेंगे, किसी के पास कर्म सम्बन्ध के बन्धन के रूप में आयेंगे। किसी के पास व्यर्थ संकल्प के रूप में आयेंगे। किसी के पास विशेष अलबेलेपन और आलस्य के रूप में आयेंगे। ऐसे चारों ओर का हलचल का वातावरण होगा। राज्य सत्ता, धर्म सत्ता, विज्ञान सत्ता और अनेक प्रकार के बाहुबल सब अपनी सताओं की हलचल में होंगे।

➳ _ ➳ ऐसे समय पर फुलस्टॉप लगाना आयेगा या क्वेश्चन मार्क सामने आयेगा? क्या होगा? इतनी समेटने की शक्ति अनुभव करते हो। देखते हुए न देखो, सुनते हुए न सुनो। प्रकृति की हलचल देख प्रकृतिपति बन प्रकृति को शान्त करो। अपने फुल स्टाप की स्टेज से प्रकृति की हलचल को स्टाप करो। तमोगुणी से सतोगुणी स्टेज में परिवर्तन करो। ऐसा अभ्यास है? ऐसे समय का आव्हान कर रहे हो ना? **समेटने की शक्ति बहुत अपने पास जमा करो। इसके लिए विशेष अभ्यास चाहिए। अभी-अभी साकारी, अभी-अभी आकारी, अभी-अभी निराकारी।**

➢➢ फाइनल पेपर में

➳ _ ➳ पांचों तत्वों का विकराल रूप होगा

→ आकाश से

- उल्का पात
- बर्फ गिरेंगे
- बम, मिसाइल्स
- बादल फटेंगे
- बिजली कड़केगी
- ओले गिरेंगे
- अति वृष्टि
- Heavy Rainfalls

→ वायु से

- तूफान उठेगा
- टोर्नेडो आएगा
- Cyclon

→ पानी से

- सैलाब आएगा
- सुनामी
- समुन्दर धरती पर आ जाएगा
- पानी दूषित हो जाएगा
- पीने के लिए नहीं होगा

→ धरती से

- धरती फटेगी
- भूकंप, भूचाल आएगा
- बंजर हो जाएगा
- अकाल आएगा
- अति वृष्टि
- धरती तपेगी

→ अग्नि से

- बिजली
- ज्वालामुखी
- आग लगेगी

➳ _ ➳ गृहयुद्ध होगा

→ रक्त की नदियाँ

➳ _ ➳ पांचों ही विकारों का अति विकराल रूप

→ काम, क्रोध, लोभ, अहंकार सब आएगा

➳ _ ➳ तमोगुणी आत्माओं का विकराल रूप

→ आत्माएं भटकेंगी

→ जो कमजोर होंगे उनके शरीर में 10-10 आत्माएं प्रवेश करेंगी

→ भक्त आत्माओं की पुकार होगी

➳ _ ➳ पुराने संस्कार

→ **भीड़ में अपराध, विकर्म, कुकर्म ज्यादा होते हैं**

→ कर्मभोग के रूप में

- **शरीर के व्याधि, बीमारियाँ**
- मन की बीमारियाँ

→ कर्म सम्बन्ध के बंधन के रूप में

- सेवा के बंधन
- लौकिक के बंधन
- साथी, सहयोगी के बंधन
- ईर्ष्या, टकराव सब होगा

→ व्यर्थ संकल्प

- **समय और संकल्प को गंवाना ही अपवित्रता है**
- **स्वच्छता और सत्यता में सम्पन्न बनना ही पवित्रता है**
- क्यों, क्या, ऐसा, वैसा

→ आलस्य- अलबेलापन

➳ _ ➳ ऐसे समय अशरीरी बनना है, वही अशरीरी बन सकते हैं-

→ **लम्बे समय का अभ्यास**

→ अचानक

→ एवररेडी

- **वही आत्मा सेफ है, जो अशरीरी है**
- बार-बार ये अभ्यास करना है

➳ _ ➳ राज्य सत्ता, धर्म सत्ता, विज्ञान सत्ता

→ सारे देशों की राज्य सत्ता हलचल में होगी

→ महामंडलेश्वर, गुरु, धर्म सत्ता की हलचल

→ विज्ञान सत्ता- Scientific war, Nuclear war, weapons

➳ _ ➳ ऐसे समय पर फुलस्टॉप लगाना या क्वेश्चन मार्क

→ **प्रकृति की हलचल देख प्रकृतिपति बन प्रकृति को शांत कर देना**

→ अपने फुलस्टॉप की स्टेज से प्रकृति को स्टॉप करो

→ तमोगुणी से सतोगुणी स्टेज में परिवर्तन करो

→ इसके लिए समेटने की शक्ति का अभ्यास

- अभी-अभी साकारी
- अभी-अभी आकारी
- अभी-अभी निराकारी